अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नॉर्थ कोरिया को दी चेतावनी

वाशिंगटन,(आरएनएस)। नॉर्थ कोरिया लाख समझाने के बाद भी नहीं मान रहा है। राष्ट्रपति किम जोंग मिसाइल एक के बाद एक मिसाइल और परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। इन मिसाइल कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को कोई तवज्जो नहीं दी जा रही है। वह अमेरिकी जहाजों को भी डुबाने की धमकी देते रहते हैं। लेकिन अब अमेरिका के सब्र का बांध टूट गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु चुनौती को लेकर अमेरिका के सब्र का बंध टूट गया है। वहीं उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष मून जाए-इन ने कहा कि पड़ोसी देश की धमकियों एवं उकसावे की नीतियों का कड़ा जवाब दिया जाएगा। साथ ही मून ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने सियोल आने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में ट्रम्प के साथ खड़े मून ने संवाददाताओं से कहा कि उत्तर कोरिया की समस्या का पूरी तरह से हल निकलना चाहिए और वहां की सरकार से मुद्दे के हल के लिए वार्ता की मेज पर लौटने की अपील की। उन्होंने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस वर्ष के अंत में सियोल का दौरा करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। हालांकि उन्होंने इस दौरान यह नहीं बताया कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने नॉर्थ कोरिया को सबक सिखाने के लिए क्या रणनीति बनाई है। उधर ट्रम्प ने कहा, अमेरिका दूसरी क्षेत्रीय ताकतों एवं सभी जिम्मेदार देशों से प्रतिबंधों को लागू करने के लिए साथ आने का आहवान करता है और मांग करता है कि उत्तर कोरियाई सरकार तेजी से एक बेहतर रास्ते का चयन करे तथा लंबे समय से त्रस्त अपने लोगों के लिए एक अलग भविष्य चुने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर कोरिया को लेकर जारी रणनीतिक सब्र का युग नाकाम रहा और मुखरता से कहें तो सब्र खत्म हो चुका है। ट्रम्प ने कहा, 'हमें लापरवाह और क्रूर उत्तरी कोरिया से लगातार धमकियां मिल रही हैं। वहां लगातार परमाणु हथियार और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को एक निश्चित प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। लेकिन उत्तर कोरिया के तानाशाह को अपने पड़ोसियों और अपने देशवासियों की सुरक्षा से कोई लेनादेना नहीं है। उनमें मानव जीवन के लिए कोई सम्मान नहीं है।

बेटे को हवस का शिकार बनाता था सौतेला पिता, दादी ने दिलाई आजादी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। अपने 11 वर्षीय पोते को हवस का शिकार बनाने वाले सौतेले पिता के चंगुल से छुड़वाने में शाहदरा थाना क्षेत्र निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को जीत मिल गई। एक माह से चल रहे मामले में सुनवाई करते हुए चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सी डब्ल्यू सी) ने बुजुर्ग महिला को उसका पोता सौंप दिया। सीडब्ल्यूसी ने बच्चे का मेडिकल करवाया, जिसमें आरोपों की पुष्टि हो गई। आरोप है कि बच्चे के साथ उसका सौतेला पिता शारीरिक शोषण करता था। अपने साथ ऑफिस ले जाने के बहाने किसी कॉटेज या रूम पर ले जाता था। सुनवाई के दौरान पीड़ित बच्चे ने उन जगहों के नाम भी बताए हैं।

गुजरात में भगवान बुद्ध का भव्य स्मारक बनाना चाहते हैं मोदी

गुजरात,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वह गुजरात के अरावली जिले में भगवान बुद्ध का एक भव्य स्मारक बनाना चाहते हैं, जहां खुदाई में बौद्ध अवशेषष मिले थे। गुजरात दौरे के दूसरे दिन मोडासा शहर में एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि अरावली में हुई खुदाई से यह साबित हुआ है कि भारत के पश्चिमी हिस्से में भी बुद्ध श्रद्धेय थे। पारंपरिक आदिवासी परिधान पहने मोदी ने कहा, 'यह आम धारणा थी कि बुद्ध देश के सिर्फ पूर्वी हिस्से में ही लोकप्रिय थे। लेकिन कुछ समय पहले शामलाजी मंदिर (अरावली) के निकट देव नी मोरी में हुई खुदाई से साबित हुआ है कि भगवान बुद्ध का प्रभाव पश्चिमी क्षेत्र तक भी पहुंचा था।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरा सपना है कि देव नी मोरी में भगवान बुद्ध का एक भव्य स्मारक बने ताकि दुनिया भर से लोग यह स्थान देखने आएं। मुझे विश्वास है कि आपके आशीर्वाद से मेरा यह सपना पूरा होगा। उन्होंने अपने पैतृक गांव वडनगर का भी उल्लेख करते हुए कहा कि चीनी यात्री ह्वेन सांग ने अपनी डायरी में लिखा था कि वडनगर में एक मठ था जहां शताब्दियों वर्ष पूर्व करीब दस हजार बौद्ध भिक्षु रहते थे। मोदी यहां जिले के तीन शहरों तथा 600 गांवों के लिए 552 करोड़ रुपए की लागत वाली पेय जल स्कीम का लोकार्पण करने के सिलसिले में आए थे।

महिला आयोग ने उठाए कदम, अब तांत्रिकों के चंगुल में नहीं फसेंगी महिलायें

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर में काला जादू अपने पांव पसार रहा है। पढ़े-लिखे लोग भी ढोंगी तांत्रिकों के जाल में फंस रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि इन गलत पद्धतियों का सबसे अधिक प्रयोग महिलाओं पर किया जा रहा है। शहरों में बढ़ते इस चलन को रोकने के लिए महिला आयो÷ ने काम करना शुरू कर दिया है। आयोग ऐसे सभी संगठनों को एकमंच पर लाने जा रहा है, जो महिला उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। महिलाओं को काला जादू की प्रताड़ना से बचाया जा सके। इस अपराध में शामिल आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज हो सके। साथ ही संभव कार्रवाई हो सके, इसके लिए आयोग ने सिफारिशों को तैयार किया है। अब वह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ इन्हें साझा करेगा। बताया जाता है कि काफी समय से महिला आयोग इस दिशा में काम कर रहा है। हाल ही में आयोग की रिसर्च में यह बात सामने आई है कि प्रत्येक वर्ष करीब 500 से 1000 महिलाएं तांत्रिकों के चुंगल में फंसती हैं। ऐसे में तंत्र गतिविधियों का इस्तेमाल महिलाओं के खिलाफ किया जाता है। अधिकांश महिलाएं लोकलाज और घर से निकाले जाने के डर से अपने साथ हो रहे इस बर्ताव को सहती रहती हैं।

सुरक्षाबलों से बचने के लिए आतंकी बशीर व साथियों ने ग्रामीणों को बनाया बंधक

श्रीनगर,(आरएनएस)। दक्षिण कश्मीर में ब्रेंठी दियालगाम (अनंतनाग) में शनिवार को सुरक्षाबलों से बचने के लिए लश्कर के दुर्दांत आतंकी बशीर लश्करी व उसके साथियों ने चार ग्रामीणों को मानव ढाल बनाते हुए बंधक बना लिया, वहीं मुठभेड़ के दौरान क्रास-फायरिंग में महिला की मौत के बाद हिंसा पर उतारु आतंकी समर्थक भीड़ पर काबू पाने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा चलाई गई गोली में एक युवक मारा गया। हिंसक झड़पों में पुलिस व अर्धसैनिकबलों के दर्जन जवानों समेत 20 लोग जख्मी हुए हैं। पुलिस ने युवक की मौत पर कुछ भी कहने से इंकार करते हुए सिर्फ महिला की मौत की पुष्टि की है। यहां यह बताना असंगत नहीं होगा कि बशीर लश्करी ने ही गत माह अच्छा बल में पुलिस दल पर घात लगाकर हमला किया था। इसमें अच्छबल के थाना प्रभारी फिरोज अहमद डार समेत छह पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। लश्करी को इस हमले के बाद पुलिस ने डबल ए श्रेणी का आंतकी घोषित कर उस पर पहले से घोषित 10 लाख के ईनाम को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया था। लश्करी गत सप्ताह भी सोफगांव में सुरक्षाबलों की घेराबंदी तोड़ भागने में कामयाब रहा था। अनंतनाग से मिली जानकारी के अनुसार, आज सुबह चार बजे सुरक्षाबलों ने ब्रेंठी दियालगाम में तीन आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर घेराबंदी करते ही तलाशी अभियान चलाया। जवानों को अपने ठिकाने की तरफ आते देख, आतंकियों ने उन पर गोली चला वहां से भागने का प्रयास किया। लेकिन जवानों ने जवाबी फायर कर उन्हें मुठभेड़ में उलझा लिया और आतंकियों ने वापस मकान में शरण लेते हुए आठ लोगों को बधक बना लिया। इस बीच, स्थानीय मस्जिदों से सुरक्षाबलों के खिलाफ एलान हुआ और बड़ी संख्या में लोग जिहादी नारे लगाते हुए मुठभेड़स्थल पर जमा होने लगे। उन्होंने घेराबंदी तोड़ने के लिए सुरक्षाबलों पर पथराव शुरु कर दिया। सुरक्षाबलों ने पथराव के बावजूद संयम बनाए रखा और आतंकियों की गोलियों का जवाब देते हुए बंधक बनाए गए ग्रामीणों को छुडाने का भी प्रयास किया। इस दौरान क्रासफायरिंग की चपेट में आकर एक स्थानीय महिला ताहिरा गंभीर रुप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया,जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डाक्टरों ने बताया कि 40 वर्षीय ताहिरा की पीठ पर गोली लगी थी जो उसके सीने से बाहर निकली थी। इस बीच, ताहिरा की मौत की खबर फैलते ही ब्रेंठी, बटपोरा, दियालगाम और उसके साथ सटे इलाकों में भी तनाव पैदा हो गया। लोग हिंसा पर उतर आए और पूरे इलाके में पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों का दौर शुरु हो गया। जवानों ने आतंकियों की गोलियों और आतंकियों की समर्थक भीड़ के पथराव के बीच, आतंकियों द्वारा मानवढाल बनाए गए आठ लोगों को छुडाने का प्रयास किया और चार को वहां से निकाल लिया। इस बीच, हिंसक भीड़ में शामिल कुछ युवकों ने सुरक्षाबलों के हथियार छीनने का प्रयास करते हुए उनके साथ मारपीट शुरु कर दी। उन्हें खदेड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने गोली चलानी पड़ी,जिसमें तारिक नामक एक युवक की मौत हो गई जबकि तीन अन्य जख्मी हैं। लेकिन पुलिस ने तारिक की मौत की पुष्टि नहीं की है।

पाक-चीन रणनीतिक संबंध की शरीफ ने की सराहना

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की शुरुआत और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)में पाकिस्तान की सदस्यता को देखते हुए चीन के साथ रणनीतिक संबंध पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने संतोष व्यक्त किया है। शरीफ ने पाक अफगान संबंधों के सुधार में भी चीन की भूमिका की सराहना की। नवाज ने देशभर में और आसपास के नवीनतम विकास के मद्देनजर पाकिस्तान की विदेश नीति प्राथमिकताओं की व्यापक समीक्षा करने के लिए मंत्रालय का दौरा किया। 'प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान-अफ़ानिस्तान संबंधों को सुधारने के लिए चीन की भूमिका की सराहना की और हाल ही में एससीओ समिट के वक्त अफ़ान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के साथ हुई मीटिंग और उनके बीच सीमापार से आने वाले आतंकवाद को रोकने के लिए हुए द्विपक्षीय समझौते का उल्लेख किया।' उन्होंने मंत्रालय को अफ़ानिस्तान के साथ संबंध को सुधारने से जुड़े पहल करने और पाकिस्तान को आगे बढ़ाने के लिए अफगान के साथ व्यापारिक व आर्थिक संबंधों को बनाने का निर्देश दिया। नवाज ने निरंतर वार्ता के जरिए इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता हासिल करने के महत्व और अमेरिका के साथ पाकिस्तान की निरंतर साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने एक बार फिर पड़ोसी मुल्कों के साथ शांतिपूर्ण संबंधों और वार्ता के माध्यम से विवादों के समाधान की प्राथमिकता दोहराई।

कैरी लैम बनीं हांगकांग की पहली महिला नेता

नई दिल्ली,(आरएनएस)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने छिटपुट विरोधों के बीच हांगकांग के नए नेता के रूप में कैरी लैम को आज शपथ दिलायी। पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश के रूप में हांगकांग को चीनी शासन को सौंपे जाने की यह बीसवीं वर्षगांठ है। इस समारोह के आयोजन के लिए हार्बर फ्रंट समारोह स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी जहां दो दशक पहले ब्रिटिश गर्वनर क्रिस पट्टन ने एक भावुकता पूर्ण समारोह में हांगकांग को चीनी शासन को वापस सौंप दिया था। हांगकांग के पारंपरिक दिवस के दौरान सैकड़ों की संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में लोकतंत्र समर्थक कार्यकताओं और चीनी समर्थकों के बीच हल्की झड़पें भी हुई। लोकतंत्र समर्थक 'लोकतंत्र, आत्मनिर्णय' के अधिकारों की मांग कर रहे थे जबकि चीन के समर्थक जीत की खुशी में शोर मचा रहे थे और झंडे लहरा रहे थे। इन लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शन कारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया जबकि चीन समर्थक समूह वहां मौजूद रहे। चीनी समर्थकों ने 'लांग लिव चाइना' का नारा लगाते हुए कहा,'हम पुलिस की कार्रवाई का समर्थन करते हैं।' ब्रिटेन ने एक जुलाई 1997 को 'एक देश, दो प्रणाली' फामूर्ले के तहत हांगकांग को चीनी शासन को वापस लौटाया, जो चीन के मुकाबले यहां व्यापक आजादी और न्यायिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। चीन समर्थित प्रशासनिक अधिकारी लैम मार्च में हांगकांग के अगले नेता के रूप में 1,200 लोगों की 'चुनाव समिति' द्वारा चुनी गयी थीं।

स्विच ऑफ रहने पर भी दिमाग भटकाते हैं स्मार्टफोन

एक नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि स्मार्टफोन की उपस्थिति ब्रेन की संज्ञान लेने की क्षमता पर प्रतिकूल असर डालती है जिससे ब्रेन की डेटा प्रोसेस करने की शक्ति भी कम हो जाती है। अगर स्मार्टफोन आपके बेहद नजदीक या पहुंच में हैं तो स्विच ऑफ मोड में रहने पर भी यह हमारे दिमाग पर प्रतिकूल असर डालता है। यूएस की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस के मेककॉम्ब स्कूल ऑफ बिजनस की रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। इस रिसर्च में यह नतीजा भी सामने आया है कि दिन-प्रतिदिन इंसान, स्मार्टफोन पर जितना ज्यादा निर्भर होता जा रहा है उससे इंसान की समस्याएं बढ़ रही हैं और वह अस्वस्थ हो रहा है। रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है, दो अलग अलग प्रयोगों से निकले निकर्ष इस बात का संकेत देते हैं कि अगर कोई व्यक्ति बार-बार अपना फोन चेक नहीं करता उसके बावजूद भी सिर्फ इस डिवाइस की मौजूदगी भर से ही व्यक्ति के ब्रेन की संज्ञान लेने की क्षमता कम हो जाती है। पहले प्रयोग में 520 लोगों से कहा गया कि वे अपना स्मार्टफोन साइलंट मोड पर कर दें और उसे अपने डेस्क पर फेसडाउन करके या फिर अपने पॉकेट या बैग में या किसी दूसरे कमरे में रख दें। उसके बाद उन लोगों को कुछ टेस्ट पूरे करने को कहा गया जिसका मकसद उनकी संज्ञान लेने की क्षमता का आकलन करना था। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन प्रतिभागियों ने अपने स्मार्टफोन को दूसरे कमरे में रख दिया था उन्होंने टेस्ट के दौरान उन लोगों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया जिन्होंने अपने फोन को फेसडाउन कर अपने डेस्क पर रखा था। वहीं दूसरे प्रयोग में 275 लोगों से कहा गया कि वे अपने फोन को साइलंट मोड पर या पूरी तरह से स्विच ऑफ कर दें और उसके बाद स्मार्टफोन को फेसडाउन कर डेस्क पर, पॉकेट या बैग में या दूसरे कमरे में रख दें। इन लोगों को कुछ टास्क पूरे करने थे। साथ ही उनसे कुछ सवाल भी पूछे गए यह जानने के लिए कि वे अपने स्मार्टफोन पर कितना ज्यादा निर्भर हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों ने कहा कि वे अपने स्मार्टफोन पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं उन्होंने इस टेस्ट के दौरान सबसे खराब प्रदर्शन किया। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि उनका स्मार्टफोन स्विच ऑफ था या साइलंट और वह उनके डेस्क पर था, पॉकेट में या फिर बैग में।

विज्ञान समाचार Science News

व्हाट्सएप के नए 5 फीचर्स

नई दिल्ली: सोशल मीडिया की दुनिया में व्हाट्सएप लोगों के लिए सबसे जरुरी टूल बन गया है, दिन हो या रात यूजर्स व्हाट्सएप पर चैट जरुर करते हैं, यूं तो व्हाट्सएप को आठ साल पूरे हो चुके हैं, बीते सात सालों में व्हाट्सएप समय-समय पर अपने यूजर्स के नए-नए फीचर्स लाता रहा है, इसी कड़ी में व्हाट्सएप दुनिया भर के 180 देशों के 1 अरब से भी अधिक यूजर्स के लिए हाल ही में कुछ खास फीचर्स लेकर आया है, जिसे यूजर्स को इनके बारे में जरुर जानना चाहिए ताकि वे इसका बेहतर तरीके से यूज कर सकें। **सर्च इमोजी ऑप्शन:** व्हाट्सएप ने ऐसा फीचर लॉन्च किया है जिसकी मदद से यूजर्स मन चाही इमोजी का इस्तेमाल कर सकेंगे, इसके लिए व्हाट्सएप टैक्स्ट बॉक्स में सर्च इमोजी का ऑप्शन दे रहा है, इस ऑप्शन की मदद से आप कोई भी इमोजी सर्च करने के बाद उस इमोजी को सेलेक्ट चैट बॉक्स या चैट ग्रुप में भेज सकेंगे, इसका मतलब की अगर आप अपने दोस्त को प्यार भरी कोई इमोजी भेजना चाहते हैं तो सर्च बॉक्स में स्वअम टाइप कर एन्टर करें, इसके बाद टूलबार में इससे जुड़ी कई इमोजी आएगी, पसंदीदा इमोजी सेलेक्ट कर भेज दें। **फॉन्ट स्टाइल चेंज करें:** इसके अलावा एक नए फीचर की मदद से यूजर्स अपनी जरुरत के मुताबिक फॉन्ट स्टाइल भी बदल सकते हैंण् हांलाकि व्हाट्सएप बोल्ड फोन्ट का ऑप्शन पिछले साल ही दे चुका है लेकिन इस बार उसने फॉन्ट स्टाइल के लिए नया फीचर लॉन्च किया है, इस नए फीचर की मदद से फॉन्ट स्टाइल बदलने के लिए यूजर्स को सिर्फ उतना टेक्स्ट सिलेक्ट करना होगा जितने की स्टाइल चेंज करना चाहता है। टेक्स्ट सिलेक्शन के बाद उसे टैप करना होगा, अब टूलबार में दिए गए तीन डॉट को सिलेक्ट कर बोल्ड, इटेलिक, स्ट्राइकथ्रू या मोनोस्पेस में से जरुरत के हिसाब से अपने फॉन्ट की टेक्सट स्टाइल चेंज कर सकते हैं। सबसे खास बात इस नए फीचर से यूजर्स को अब वह सारे सिंबल याद रखने की झंझट से छुटकारा मिलेगा जिसका यूज वह टेक्सट स्टाइल और फॉन्ट बॉल्ड करने के लिए उपयोग करता है, हांलाकि ये दोनो नए फीचर व्हाट्सएप के नए वर्जन 2.71.251 पर मौजूद है जिसे एन्ड्रॉइड फोन में इंस्टाल कर आसानी से उपयोग किया जा सकता है। **गूगल ड्राइव पर लें चैट बैक-अप:** अब आप अपनी व्हाट्सएप चैट का बैकअप भी ले सकते हैंण् व्हाट्सएप अपने यूजर्स को यह खास तरह का फीचर दे रहा है जिसकी मदद से आप अपनी चैट, जरुरी मैसेज गूगल ड्राइव पर सेव कर सकते हैं, इसके लिए व्हाट्सएप के Menu Button > Settings > Chats and calls > Chat backup पर जाएं, इसके बाद Back up to Google Drive पर टैप करें और अपनी जरुरत के मुताबिक Daily, Weekly या Monthly अपनी चैट का बैक अप ले सकते हैं। **डॉक्युमेंट्स भेजें:** अब तक आप अपने जरुरी दस्तावेज या डॉक्युमेंट भेजने के लिए ई-मेल का उपयोग करते आए हैं, लेकिन व्हाट्सएप के 'Send Document फीचर की मदद से आप आसानी से अपने डाक्युमेंट भेज सकते हैं इसके लिए यूजर्स को स्क्रीन के टॉप पर दिए गए आइकॉन को टैप करना होगा, इसके बाद Document के ऑप्शन पर क्लिक कर फाइल सिलेक्ट करें और पॉप अप से Send कर दें, ध्यान दें इस फीचर की मदद से अधिकतम 100 एमबी साइज की केवल पीडीएफ फाइल ही भेजी जा सकती है। **जरुरी मैसेज बुकमार्क करें:** बुकमार्क का ऑप्शन अब तक केवल ईमेल पर ही मिलता था, लेकिन अब व्हाट्सएप के इस फीचर की मदद से जरुरी मैसेज स्टार यानी बुकमार्क किए जा सकते हैं, स्टार मैसेज की मदद से जरुरी मैसेज हाइलाइट और पिन किये जा सकते है, बुकमार्क या स्टार करने के लिए मैसेज सिलेक्ट करें, स्क्रीन पर स्टार का ऑप्शन आएग जिसे टैप कर दें।

नवजात की साफ-सफाई का यूं रखें ध्यान,नहलाते समय न करें ये 5 गलतियां

साफ-सुथरे बच्चे किसे नहीं पसंद. अक्सर नवजात बच्चों को साफ करना मुश्किल काम हो जाता है. एक तो वे नाजुक इतने होते हैं ऊपर से बार-बार नेपी में ही सुसु करने से कई बार उनके पास नमी ज्यादा हो जाती है, जिससे एक अजीब तरह की गंध पैदा होती है. ऐसे में माता-पिता अपने नवजात को नहला कर उसकी साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि नन्हें बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखना चाहिए ख्याल... माना की शिशु बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं, लेकिन कई बार सही तरीके से या सावधानियां न बरत कर उन्हें नहलाने पर यह और बुरा साबित होता है. **स्टंप से न करें छेड़छाड़** : बच्चे के जन्म के बाद उसकी नाभी से जुड़ी प्लेसेंटा की कोड को काट कर अलग किया जाता है. इसके बाद बच्चे की नाभि के पास बचे कोड के भाग को स्पंट लगा कर खून के बहाव का रोका जाता है. जैसे जैसे बच्चा बड़ा होता है यह स्टंप सूख कर खुद ही गिर जाता है. लेकिन नवजात को नहलाते समय इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है. उसे ज्यादा न छेड़ें

और खुद से हटाने की कोशिश तो बिलकुल भी न करें. ताजा स्टंप पर पानी ड़ालने से भी बचना चाहिए. उसके आसपास के भाग को कॉटन से सावधानी से साफ करें. **वर्निक्स है जरूरी** : जब बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी त्वचा पर एक चिकना और सफ़ेद पदार्थ होता है. इसे वॉनेक्स कहते हैं. यह आपके बच्चे की त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है. वर्निक्स को बच्चे के जन्म के कम से कम छह घंटे बाद तक उसके शरीर पर रखें. वर्निक्स जन्म के बाद बच्चे की त्वचा के लिए प्राकृतिक कोट का काम करता है. बहुत गर्म पानी से करें परहेज : क्योंकि नवजात बच्चे की त्वचा बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए उसे बहुत गर्म पानी से न नहलाएं. इससे बच्चे की त्वचा पर रैशेस हो सकते हैं. बच्चे को नहलाने से पहले पानी को अपने हाथ पर ड़ालकर देख लें कि वह ज्यादा गर्म तो नहीं है. उसके बाद ही बच्चे को नहलाएं. **उत्पादों का सही इस्तेमाल :** हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छा दिखे. कई बार इसलिए ही वे शिशु उत्पादों का अधिक इस्तेमाल भी कर लेते हैं. लेकिन इस आदत से बचने की जरूरत है. हालांकि कुछ चीजों का इस्तेमाल तो जरूरी होता है, लेकिन कई चीजें हम बस यूं ही ले लेते हैं. बच्चे की त्वचा बहुत कोमल होती है, उस पर अधिक उत्पादों का इस्तेमाल करने से उसे नुकसान पहुंच सकता है.बार-बार नहलाना माना कि आप अपने बच्चे को अच्छी आदतें ड़ालना चाहते हैं और इन्हीं आदतों में से एक ही बच्चे को रोज नहाने की आदत हो. लेकिन यह आदत ड़ालने के लिए अभी आपको पास बहुत समय है. नवजात को रोज-रोज नहलाना जरूरी नहीं. आप उन्हें साफ़ करने के लिए बेबी वाइप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. ज्यादा बार या बार-बार नहलाने से बच्चे की त्वचा पर मौजूद कोट को नुकसान पहुंच सकता है.

हैकरों का ब्रिटेन में सांसदों पर नया हमला, पासवर्ड का खुलासा करने के लिए जाल में फंसाने की कोशिश

लदन: ब्रिटन का ससद नए सिरे से साइबर हमले की निशाना बनी है जब हैकरों ने सांसदों को उनके पासवर्ड का खुलासा करने के लिए अपने जाल में फंसाने की कोशिश की, अधिकारियों ने सांसदों और उनके सहायकों से कहा है कि वे इस तरह के खतरों से सावधान रहें, नेताओं को आगाह किया गया है कि हैकर खुद को संसदीय अधिकारी बताकर उनके पासवर्ड जानने की कोशिश कर सकते हैं, सांसदों और उनके कर्मचारियों को भेजे गए चेतावनी संदेश में कहा गया है, इस दोपहर में हमें पता चला कि संसद से जुड़े लोगों का फोन किया जा रहा है और उनके यूजरनेम और पासवर्ड पूछा जा रहा है। समाचार पत्र द संडे टेलीग्राफ के अनुसार संदेश में कहा गया है, फोन करने वाले लोग यूजर्स को यह सूचना दे रहे हैं कि उनको डिजिटल सेवा की तरफ से लगाया गया है कि साइबर हमले से मदद की जाए, ये फोन कॉल डिजिटल सेवा के नहीं हैं, हम कभी से पासवर्ड बताने के लिए नहीं कहेंगे। संसदीय अधिकारियों ने कहा कि पिछले सप्ताह 12 घंटे तक के हमले के बाद हैकरों ने फिर से निशाना बनाने का प्रयास किया है।